Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
29 December

Quote of the Day

Result Mitra

सही समय का इंतजार मत करो,
ना वो कभी आया है, ना कभी आएगा।
बस जहाँ, हो वहां से शुरुवात करो।

Result Mitra

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

- भारत में मलेरिया उन्मूलन एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य उद्देश्य रहा है। मलेरिया एक संक्रामक बीमारी है, जो प्लास्मोडियम नामक परजीवी द्वारा होती है और एनोफिलीज मच्छरों के माध्यम से फैलती है।
- यह रोग भारत में कई दशकों से एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती रहा है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मलेरिया उन्मूलन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति देखी गई है।

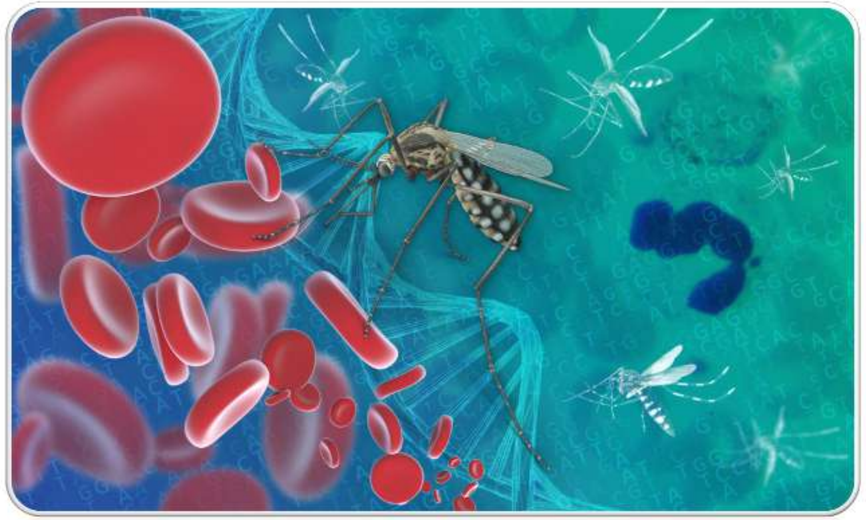

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति के प्रमुख बिंदु

1. मलेरिया उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य:

- 2027 तक मलेरिया उन्मूलन: भारत सरकार ने 2015 में "राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम" की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य 2030 तक मलेरिया उन्मूलन करना था। हालांकि, हाल ही में सरकार ने अपने लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए इसे 2027 तक मलेरिया का उन्मूलन करने का निर्णय लिया है।

2015 - में मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम

2030 - मलेरिया उन्मूलन करना

सरकार ने अपने लक्ष्य को बढ़ाते

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति के प्रमुख बिंदु

2. मलेरिया के मामलों में कमी:

- मलेरिया मामलों में गिरावट: पिछले दशक में मलेरिया के मामलों में लगातार गिरावट देखी गई है। 2019 में, भारत में मलेरिया के मामलों की संख्या लगभग 5.6 मिलियन थी, जबकि 2020 में यह संख्या घटकर 4.3 मिलियन से भी कम हो गई।

5.6 मिलियन
2019
2020 – 4.3 मिलियन

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति के प्रमुख बिंदु

2. मलेरिया के मामलों में कमी:

- मौतों में कमी: मलेरिया से होने वाली मौतों में भी महत्वपूर्ण कमी आई है। 2000 में मलेरिया से 1,400 से अधिक मौतें होती थीं, जो अब घटकर 200 से कम रह गई हैं।

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति के प्रमुख बिंदु

3. मलेरिया नियंत्रण के उपाय:

- मच्छरजनित नियंत्रण: मलेरिया के नियंत्रण के लिए मच्छरों के प्रसार को रोकने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके लिए मच्छरदानी का उपयोग, मच्छर के लार्वा को नष्ट करने के लिए रसायनों का छिड़काव, और मच्छरों के प्रजनन स्थलों की सफाई जैसे उपायों को अपनाया गया है।
- ITNs और स्प्रेट्स का उपयोग बढ़ा दिया गया है, जिससे मच्छरों से बचाव होता है।

(1) मच्छरदानी का प्रयोग
(2) मच्छर के लार्वा को समाप्त
(3) मच्छरों के प्रजनन के स्थान पर छिड़काव –

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति के प्रमुख बिंदु

4. नई दवाओं और वैक्सीनेशन का प्रयोग

WHO - 2021

- RTS,S वैक्सीनेशन: विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2021 में RTS,S/AS01 मलेरिया वैक्सीन की सिफारिश की, जो विशेष रूप से बच्चों में मलेरिया को कम करने में मददगार साबित हो रही है। भारत में भी इस वैक्सीनेशन कार्यक्रम को लागू किया जा रहा है।

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति के प्रमुख बिंदु

4. नई दवाओं और वैक्सीनेशन का प्रयोग

- दवाओं का प्रभावी उपयोग: मलेरिया के उपचार में आर्टेमीसिनिन-आधारित संयोजन उपचार (ACTs) का उपयोग बढ़ाया गया है, जो मलेरिया के उपचार में अधिक प्रभावी हैं।

आर्टेमीसिनिन

सिनकोना वृक्ष की छाल से

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति के प्रमुख बिंदु

5. जागरूकता और शिक्षा:

- स्वास्थ्य अभियानों का प्रचार: मलेरिया के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कई अभियानों की शुरुआत की गई है। स्थानीय स्तर पर लोगों को मलेरिया के लक्षण, इसके फैलने के कारण, और बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी जाती है।

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति के प्रमुख बिंदु

5. जागरूकता और शिक्षा:

- सामुदायिक भागीदारी: ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में मलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत सामुदायिक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए हैं।

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति के प्रमुख बिंदु

6. तकनीकी प्रगति:

- नवीनतम जांच तकनीकें: मलेरिया के त्वरित और सटीक निदान के लिए Rapid Diagnostic Tests (RDTs) का उपयोग बढ़ाया गया है। इसके अलावा, मलेरिया से संबंधित डेटा एकत्रित करने और मल्टीपल स्क्रीनिंग के लिए नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति के प्रमुख बिंदु

6. तकनीकी प्रगति:

- जीआईएस और डाटा एनालिटिक्स: मलेरिया के प्रसार की निगरानी के लिए जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम (GIS) और डाटा एनालिटिक्स का उपयोग किया जा रहा है, जिससे मच्छरों के प्रजनन स्थानों और जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करना आसान हो गया है।

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति के प्रमुख बिंदु

7. राज्य-स्तरीय कार्यक्रमों की सफलता:

- कुछ राज्य, जैसे राजस्थान, गुजरात, और उत्तर प्रदेश ने मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रमों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। इन राज्यों में प्रभावी निगरानी, दवा वितरण, और सामुदायिक शिक्षा कार्यक्रमों के कारण मलेरिया के मामलों में कमी आई है।

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति के प्रमुख बिंदु

8. संघीय और राज्य सरकारों का सहयोग:

- मलेरिया उन्मूलन में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग बढ़ा है। इस साझेदारी से न केवल संसाधनों का बेहतर उपयोग हुआ, बल्कि नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन में भी मदद मिली।

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति के प्रमुख बिंदु

चुनौतियाँ:

हालांकि भारत में मलेरिया उन्मूलन के प्रयासों में प्रगति हुई है, फिर भी कुछ प्रमुख चुनौतियाँ बनी हुई हैं:

मच्छरों के प्रतिरोधी

- मच्छरों के प्रतिरोधी स्वरूप: मच्छरों द्वारा कीटनाशकों के प्रति प्रतिरोधी स्वरूप उत्पन्न हो सकता है, जो नियंत्रण प्रयासों को बाधित कर सकता है।

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति के प्रमुख बिंदु

चुनौतियाँ:

- सामुदायिक सहयोग की कमी: कुछ क्षेत्रों में लोगों की जागरूकता की कमी और पारंपरिक उपचार पद्धतियों के कारण उन्मूलन प्रयासों में रुकावटें आ सकती हैं।
- वित्तीय और भौगोलिक बाधाएँ: भारत में दूरदराज के और आदिवासी क्षेत्रों तक मलेरिया उन्मूलन की पहुंच सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति

Result Mitra

निष्कर्ष:

- भारत ने मलेरिया उन्मूलन के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, और इसके परिणामस्वरूप मलेरिया के मामलों और मलेरिया से होने वाली मौतों में बड़ी कमी आई है।
- हालांकि, पूर्ण उन्मूलन के लिए अभी भी कुछ चुनौतियाँ मौजूद हैं, लेकिन भारत की प्रगति यह संकेत देती है कि सही दिशा में काम करते हुए मलेरिया का उन्मूलन संभव है। सरकार, स्वास्थ्य संस्थाएँ और समुदायों के सहयोग से 2027 तक भारत मलेरिया से मुक्त एक स्वस्थ राष्ट्र की दिशा में कदम बढ़ा सकता है।

Result Mitra™

प्रश्न : निम्नलिखित में से कौन सा बिंदु मलेरिया उन्मूलन में भारत की प्रगति को दर्शाता है?

A मलेरिया के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है।

B मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतियों की शुरुआत की गई है।

C मलेरिया के लिए कोई वैक्सीन नहीं विकसित किया गया है।

D मलेरिया उन्मूलन में केवल शहरी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

Result Mitra

मारबर्ग वायरस

मारबर्ग वायरस

Result Mitra

चर्चा में :

- मारबर्ग वायरस (Marburg Virus) एक अत्यधिक संक्रामक और घातक फिलोवायरस (Filovirus) परिवार का सदस्य है, जो मारबर्ग बुखार (Marburg Fever) या मारबर्ग वायरस रोग (Marburg Virus Disease - MVD) का कारण बनता है।

मारबर्ग वायरस

Result Mitra

चर्चा में :

- यह वायरस अफ्रीका में पाया गया है और इसके कारण होने वाली बीमारी की मृत्यु दर बहुत अधिक होती है। यह वायरस एबोला वायरस के परिवार का सदस्य है और दोनों में कई समानताएँ हैं, जैसे कि लक्षणों की शुरुआत और संक्रमण के तरीके।

मारबर्ग वायरस - संक्षिप्त परिचय

- वायरस का नाम: मारबर्ग वायरस का नाम जर्मनी के मारबर्ग शहर से पड़ा, जहाँ पहली बार 1967 में इसका प्रकोप देखा गया था।
- वायरस का प्रकार: यह एक फिलोवायरस है, जो स्ट्रैंडेड RNA वायरस की श्रेणी में आता है।

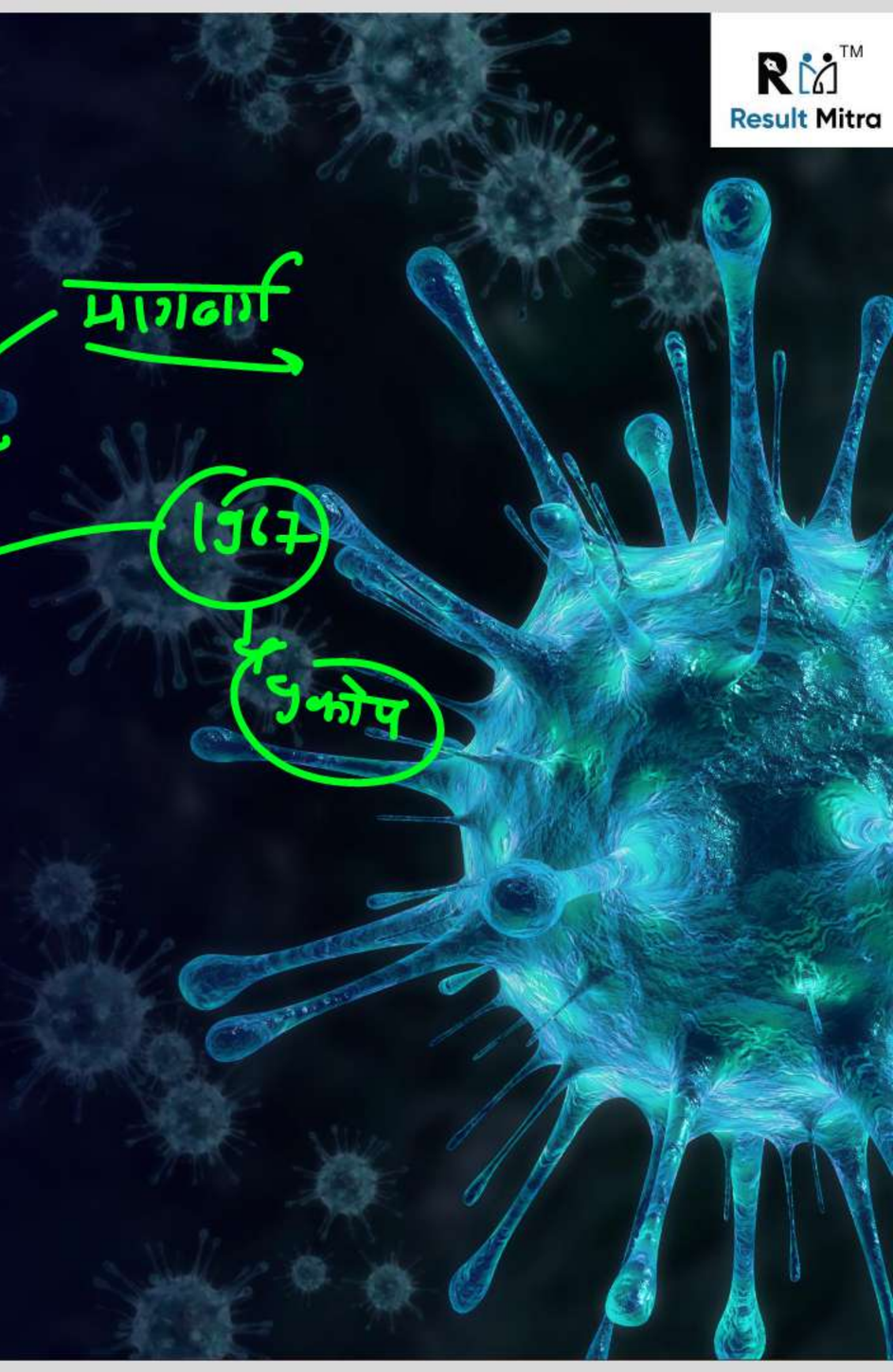

मारबर्ग वायरस - संक्षिप्त परिचय

- प्रसार का तरीका: मारबर्ग वायरस इंसानों में संक्रमित जानवरों (मुख्य रूप से बत्तखें और चमगादड़) से संपर्क के द्वारा फैलता है। इसके अलावा, संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक तरल पदार्थों जैसे रक्त, मल, म्यूकस या शरीर के अन्य फ्लूइड्स से भी यह फैल सकता है।

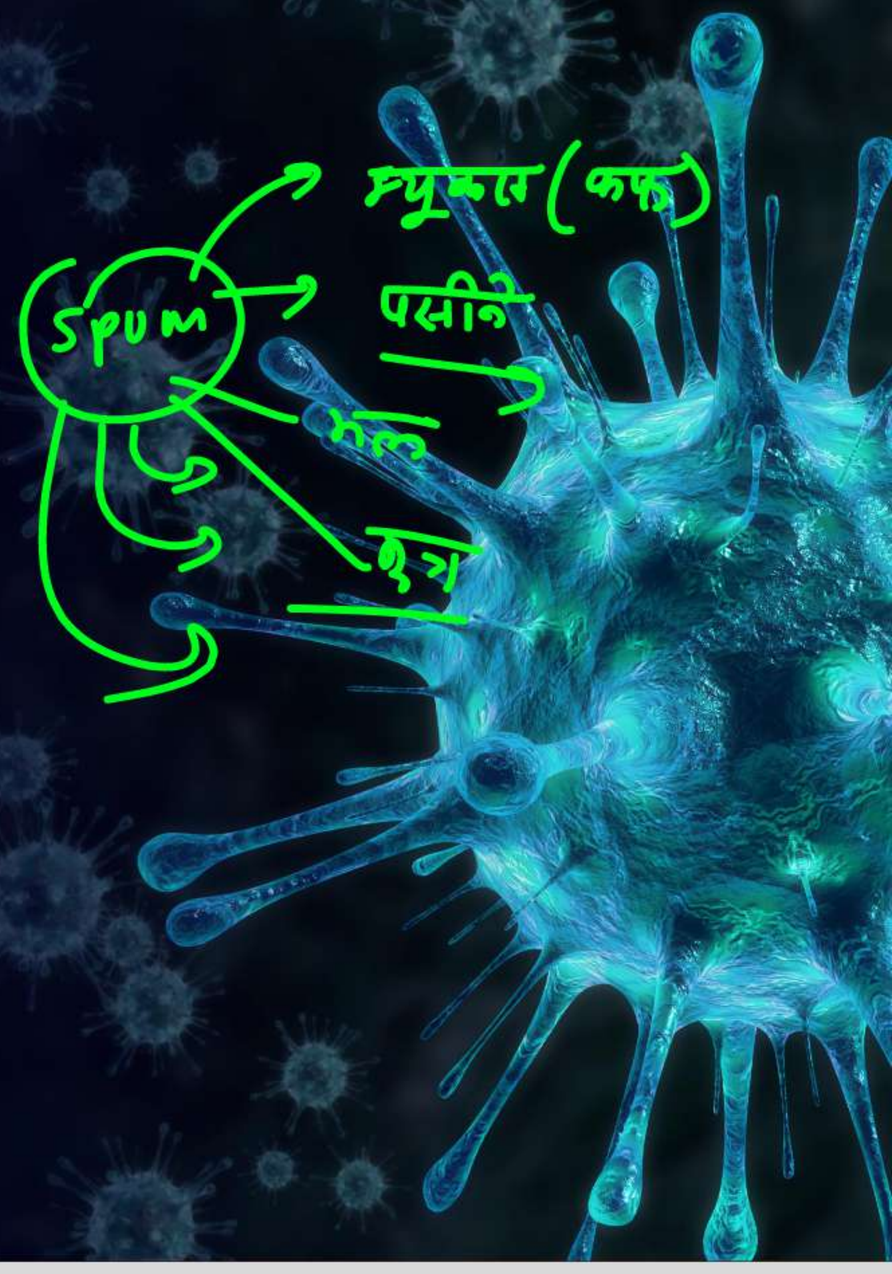

मारबर्ग वायरस - संक्षिप्त परिचय

मारबर्ग वायरस का इतिहास

- मारबर्ग वायरस को पहली बार 1967 में जर्मनी के मारबर्ग और फ्रैंकफर्ट शहरों में पहचाना गया था, जब जर्मन और युगोस्लावian प्रयोगशाला वैज्ञानिकों को इसका शिकार बने थे। इसके बाद, अफ्रीका के कुछ देशों में इस वायरस के प्रकोप की रिपोर्टें आईं, जैसे उगांडा, कांगो, केन्या, और घाना।

Result Mitra

मारबर्ग वायरस - संक्षिप्त परिचय

मारबर्ग वायरस के लक्षण

- मारबर्ग वायरस संक्रमण के लक्षण आमतौर पर वायरस के संपर्क में आने के 5 से 10 दिन बाद प्रकट होते हैं। इसके लक्षणों में शामिल हैं:
- अचानक बुखार, सिरदर्द, और मांसपेशियों में दर्द।
- दस्त, उल्टी, और पेट में ऐंठन।
- रक्तस्राव (नाक से, मसूड़ों से, या पेट से)।
- त्वचा पर लाल धब्बे या स्याही के धब्बे।
- गंभीर मामलों में, आंतरिक रक्तस्राव और मलत्याग से रक्त का निकलना, जिससे मृत्यु हो सकती है।

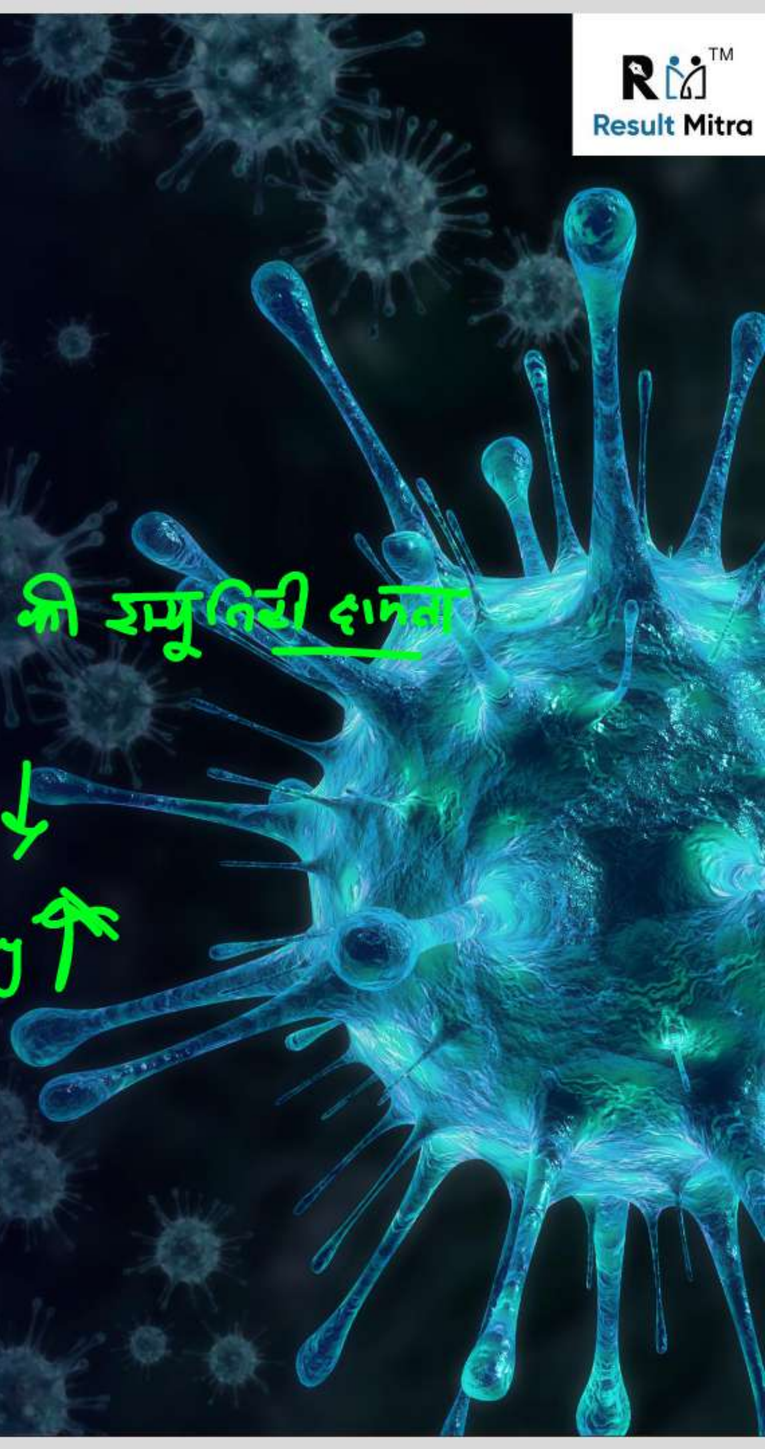

मारबर्ग वायरस - संक्षिप्त परिचय

मृत्यु दर:

- मारबर्ग वायरस के संक्रमण में मृत्यु दर अत्यधिक होती है। यह 24% से 88% तक हो सकती है, जो संक्रमण की गंभीरता, उपचार की उपलब्धता और रोगी की शारीरिक स्थिति पर निर्भर करता है। वायरस के प्रसार के तरीके और लक्षणों की तीव्रता इसे बहुत खतरनाक बनाते हैं।

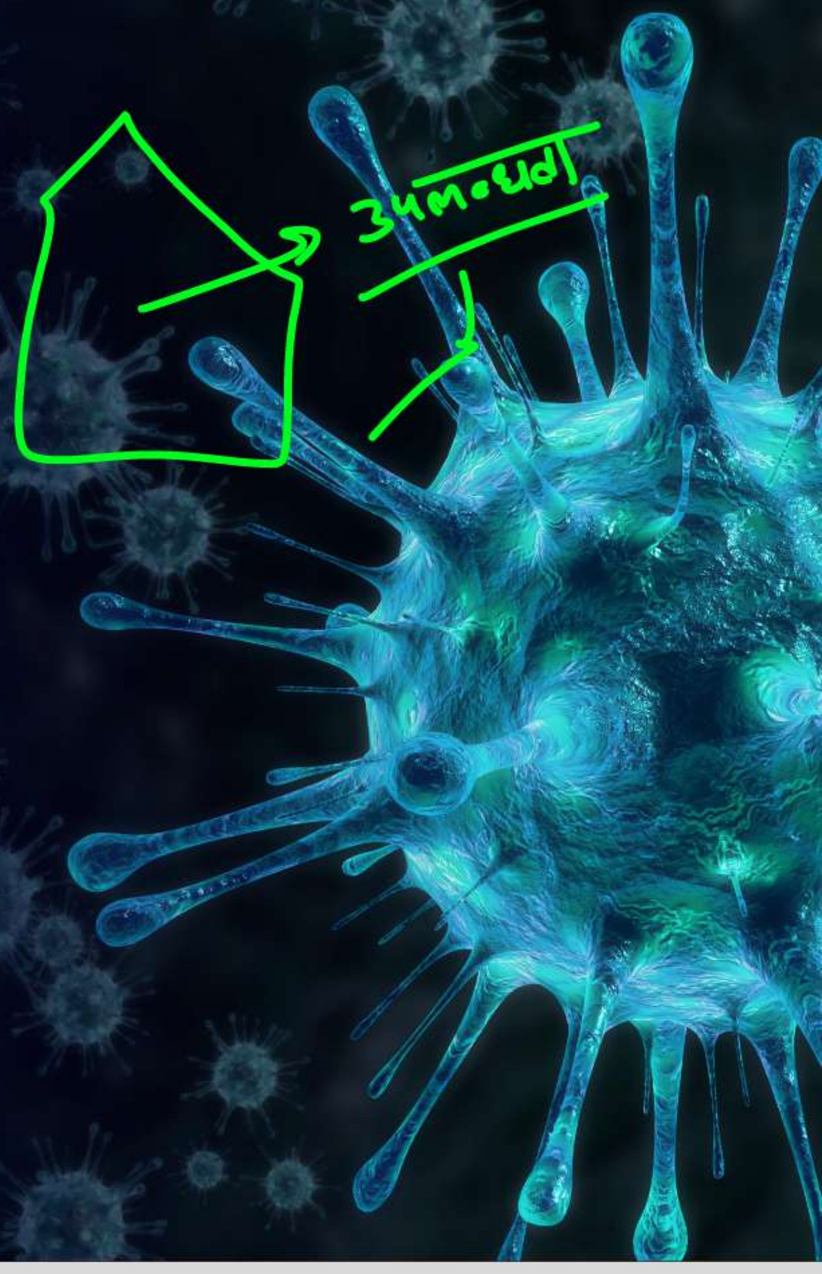

मारबर्ग वायरस - संक्षिप्त परिचय

मारबर्ग वायरस का प्रसार:

- 1. प्राकृतिक मेज़बान: मारबर्ग वायरस के प्राकृतिक मेज़बान चमगादड़ (specifically Rousettus aegyptiacus, एक प्रकार का फल खाने वाला चमगादड़) हैं। इन चमगादड़ों के साथ मानव संपर्क के कारण वायरस फैलता है।
- 2. संक्रमण का मार्ग: यह वायरस मानव से मानव के संपर्क से फैलता है, विशेष रूप से संक्रमित व्यक्ति के रक्त, पसीने, मुंह, मल, और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के संपर्क में आने से।

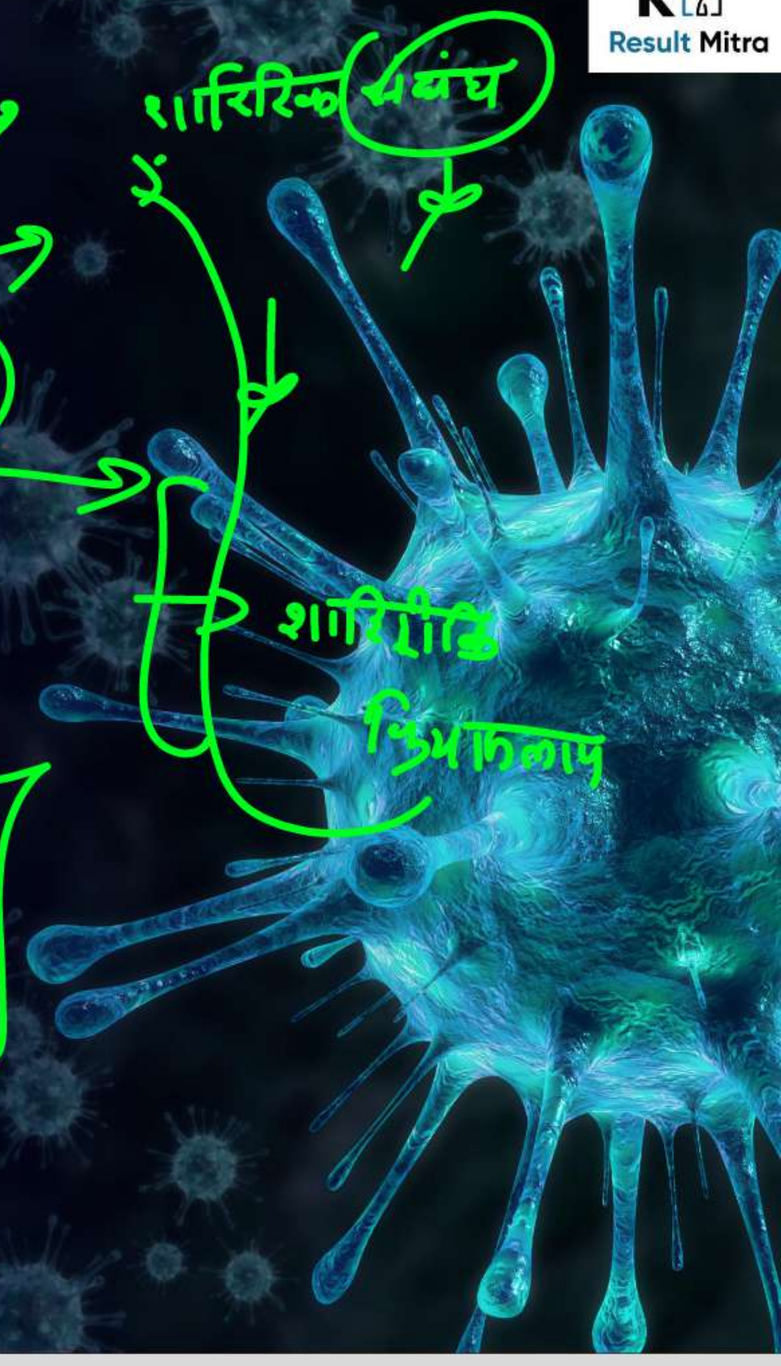

मारबर्ग वायरस - संक्षिप्त परिचय

मारबर्ग वायरस का प्रसार:

- 3. सामुदायिक प्रकोप: अगर कोई व्यक्ति संक्रमित व्यक्ति के साथ निकट संपर्क में आता है, तो यह वायरस समुदाय में फैल सकता है। अस्पतालों में संक्रमित व्यक्तियों के इलाज के दौरान भी संक्रमण फैलने का खतरा होता है, खासकर जब स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा उचित सुरक्षा उपाय नहीं अपनाए जाते हैं।

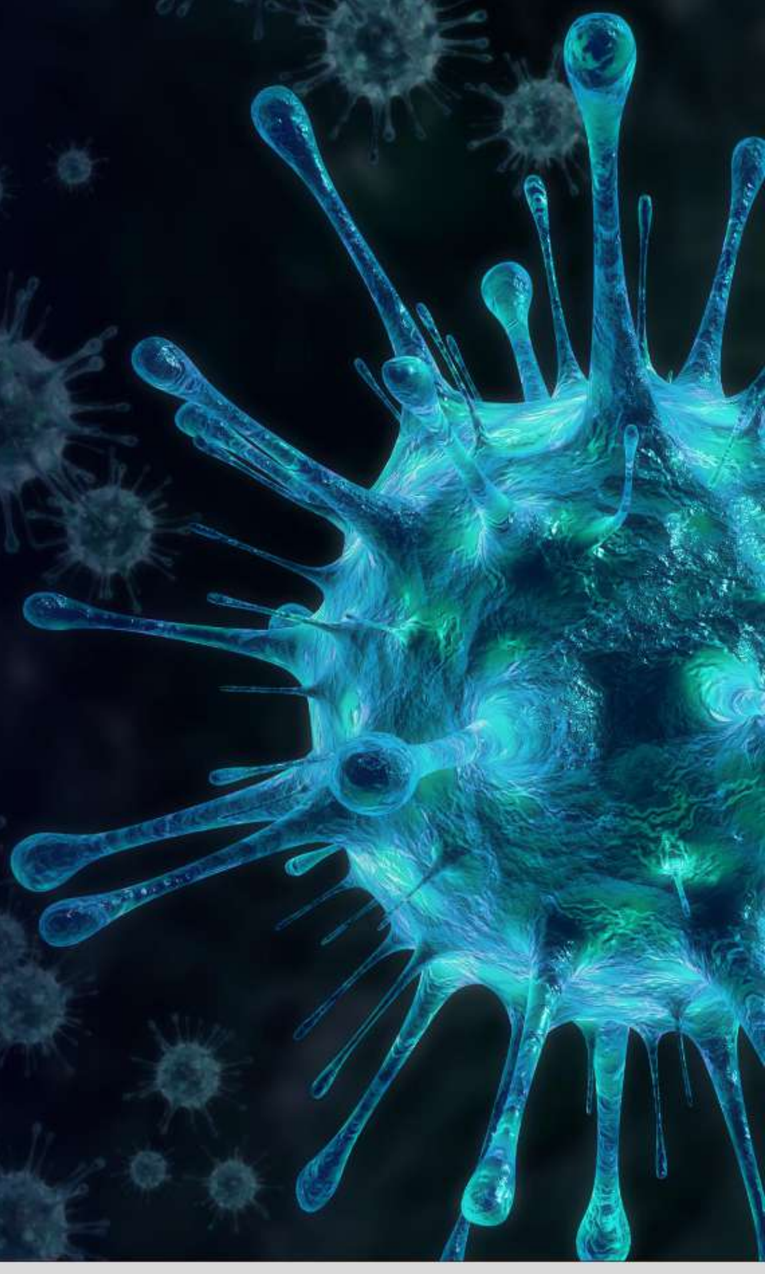

Result Mitra

मारबर्ग वायरस - संक्षिप्त परिचय

इलाज और रोकथाम:

वर्तमान में मारबर्ग वायरस का कोई विशेष उपचार या टीका उपलब्ध नहीं है, लेकिन कुछ उपचारात्मक उपाय और चिकित्सा देखभाल से मरीज के बचने की संभावना बढ़ सकती है।

- 1. समर्थक चिकित्सा (Supportive Care): संक्रमित व्यक्ति को द्रव पुनःस्थापन (renydration), ऑक्सीजन और रक्त ट्रांसफ्यूजन जैसी उपचारात्मक देखभाल दी जाती है। साथ ही, संक्रमण से बचने के लिए सुरक्षा उपायों को अपनाना आवश्यक होता है।

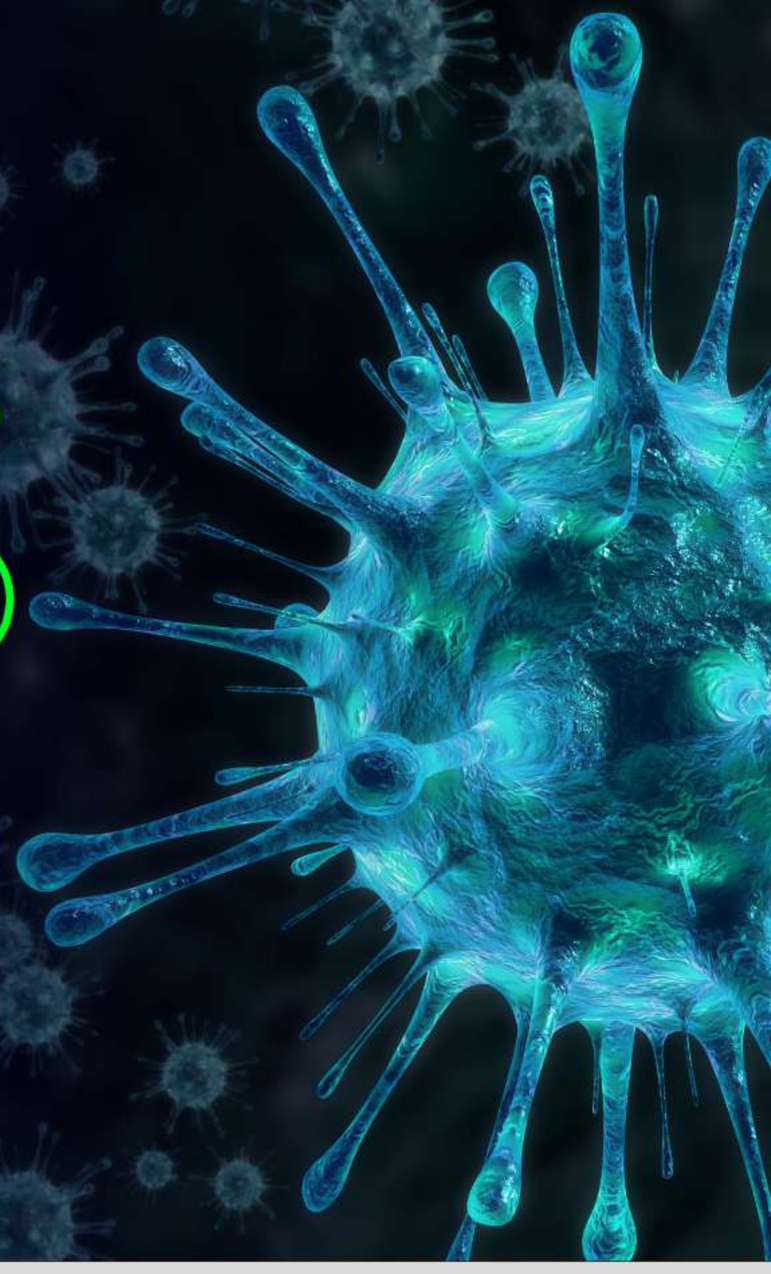

मारबर्ग वायरस - संक्षिप्त परिचय

इलाज और रोकथाम:

2. रोकथाम:

- सुरक्षा उपाय: रोग के प्रसार को रोकने के लिए, संक्रमित व्यक्तियों से सीधे संपर्क से बचना आवश्यक होता है। स्वास्थ्य कर्मचारियों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) जैसे मास्क, दस्ताने, गाउन और गॉग्ल्स पहनने चाहिए।
- सैनिटेशन: शारीरिक तरल पदार्थों से संपर्क को रोकने के लिए वातावरण और उपकरणों की पूरी तरह से सफाई करनी चाहिए।
- सामुदायिक शिक्षा: संक्रमित क्षेत्रों में समुदाय को इस वायरस के प्रसार और सावधानियों के बारे में जागरूक करना बेहद जरूरी है।

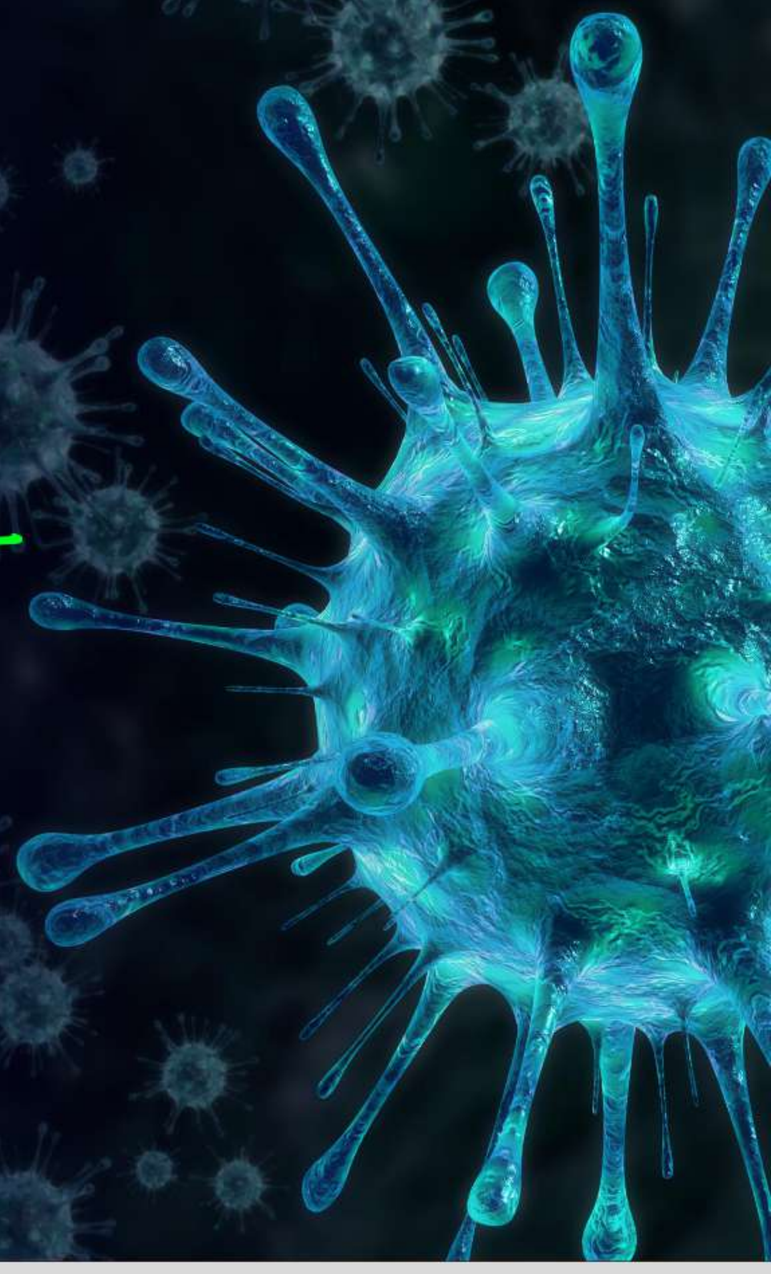

मारबर्ग वायरस - संक्षिप्त परिचय

हालिया प्रकोप:

- हाल के वर्षों में, अफ्रीका में मारबर्ग वायरस के कुछ प्रकोपों की रिपोर्ट आई है:
- 2017 में उजांडा: उगांडा में मारबर्ग वायरस का प्रकोप देखा गया था, जिसमें कुछ व्यक्तियों की मौत हुई थी।
- 2022-2023 में घाना: घाना में भी मारबर्ग वायरस का प्रकोप हुआ, और इस महामारी का मुकाबला करने के लिए सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियों ने तत्परता से कदम उठाए।

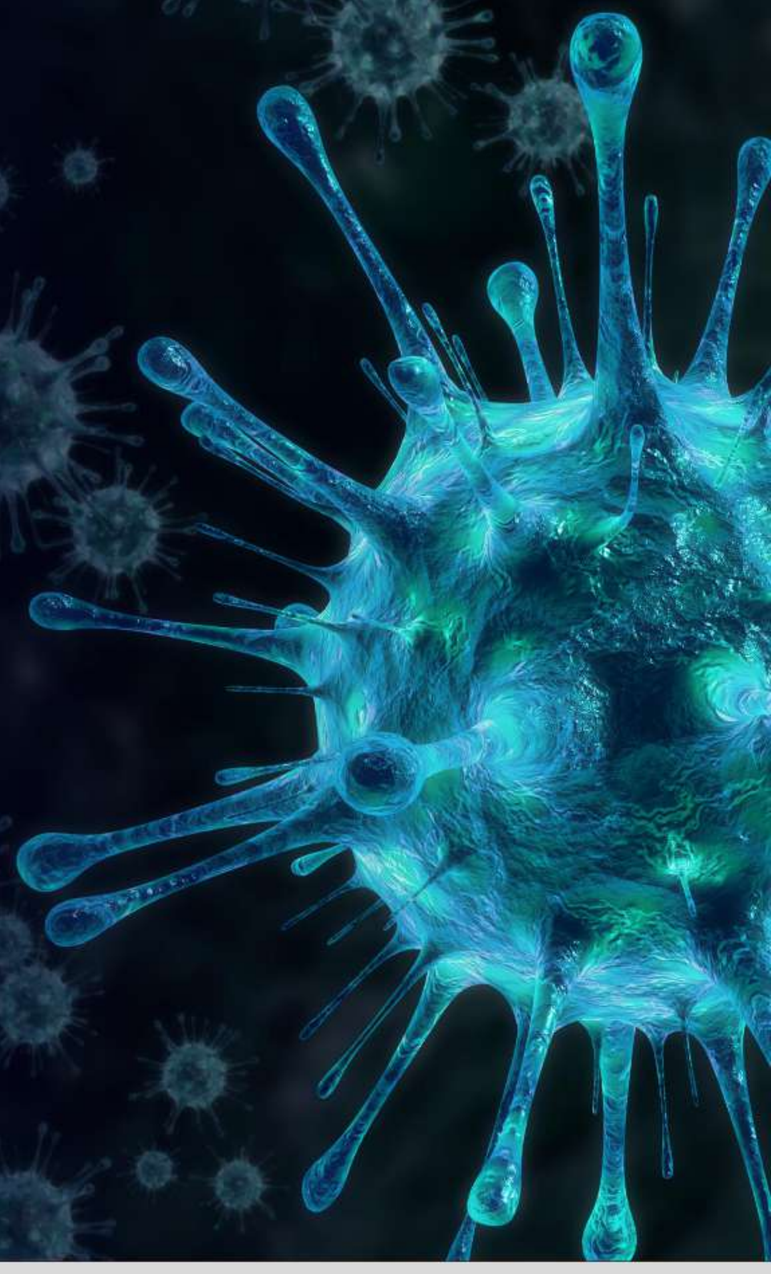

Result Mitra

मारबर्ग वायरस - संक्षिप्त परिचय

वैश्विक चेतावनी और निगरानी:

- मारबर्ग वायरस एक खतरे के रूप में माना जाता है, विशेष रूप से तब जब इसके प्रकोप अफ्रीका में होते हैं, क्योंकि यह वैश्विक स्तर पर फैल सकता है। WHO (विश्व स्वास्थ्य संगठन) और अन्य वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियाँ इस वायरस के प्रसार को रोकने और इसके संभावित प्रकोपों की निगरानी रखने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं।

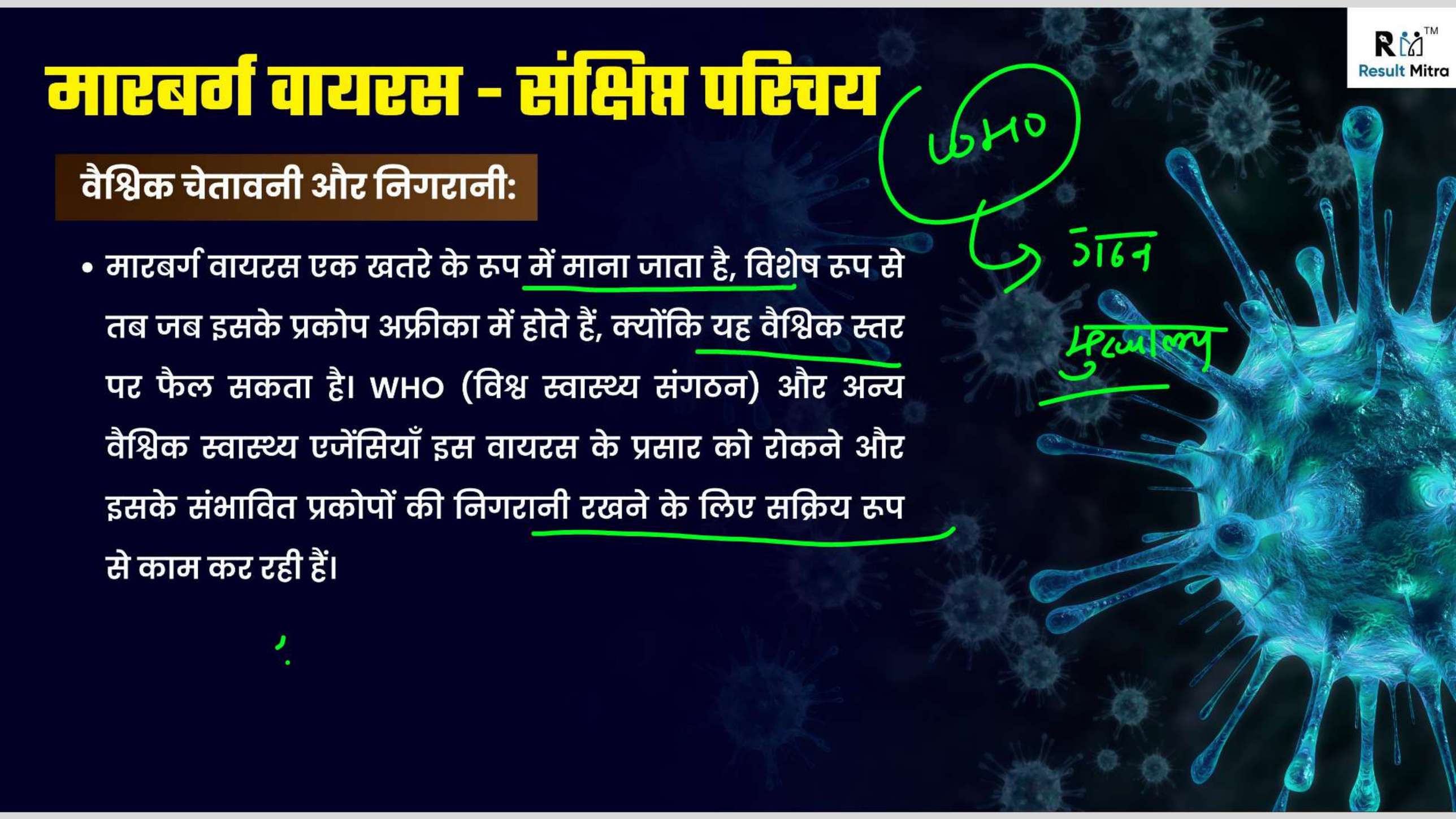

मारबर्ग वायरस - संक्षिप्त परिचय

निष्कर्ष:

- मारबर्ग वायरस एक अत्यधिक खतरनाक और संक्रामक बीमारी है, जिसे वैश्विक स्तर पर गंभीर खतरे के रूप में माना जाता है। इसके प्रभावी नियंत्रण के लिए स्थानीय और वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों का पालन और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।
- इसके प्रसार को रोकने के लिए, मच्छरजनित या अन्य संक्रमण के रास्ते से बचाव और सुरक्षित स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता है, ताकि इस वायरस का पूरी तरह से नियंत्रण और उन्मूलन संभव हो सके।

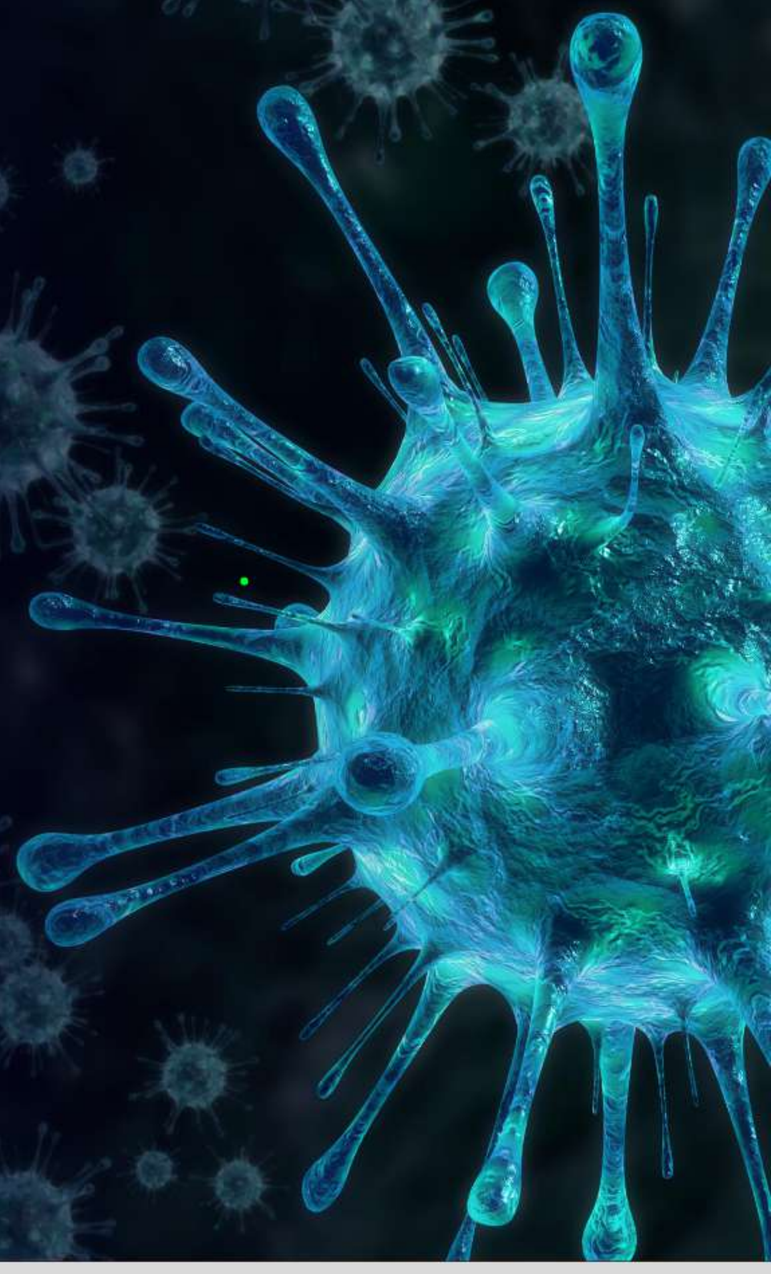

Result Mitra

Result Mitra

प्रश्न : निम्नलिखित में से कौन सा/कौन सी कथन मारबर्ग वायरस के बारे में सही है/हैं?

1. मारबर्ग वायरस, फिलोवायरस परिवार का सदस्य है, और यह एबोला वायरस के समान होता है।
2. मारबर्ग वायरस के संक्रमण के बाद मृत्यु दर 20-30% के बीच होती है।
3. मारबर्ग वायरस के प्रमुख प्रसार का रास्ता मच्छरों के माध्यम से होता है।

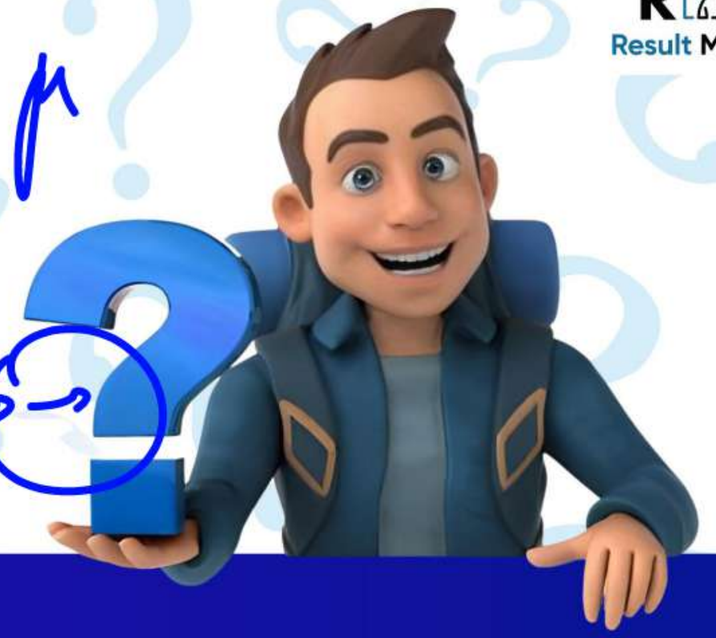

A केवल 1

B 1 और 2

C 2 और 3

D केवल 3

Result Mitra

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का मेमोरियल बनाएगी केंद्र सरकार

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का मेमोरियल बनाएगी केंद्र सरकार

Result Mitra

चर्चा में :

- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए स्थान आवंटित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय कैबिनेट बैठक के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सूचित किया।
- खड़गे ने औपचारिक रूप से डॉ. सिंह के लिए स्मारक स्थान की मांग की थी, ताकि वह जगह उनके सम्मान में बनी रहे और डॉ. सिंह का अंतिम संस्कार भी वहीं किया जा सके।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का मेमोरियल बनाएगी केंद्र सरकार

Result Mitra

चर्चा में :

- स्मारक के लिए स्थान आवंटित: केंद्रीय गृह मंत्रालय ने डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए स्थान आवंटित करने का निर्णय लिया।
- कांग्रेस अध्यक्ष का अनुरोध: मल्लिकार्जुन खड़गे ने औपचारिक रूप से स्मारक स्थल की मांग की, जहां डॉ. सिंह का अंतिम संस्कार भी किया जा सके।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का मेमोरियल बनाएगी केंद्र सरकार

Result Mitra

चर्चा में :

- **अंतिम संस्कार की तारीख:** डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार 28 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली के निगमबोध घाट पर पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ किया जाएगा।
- **स्वास्थ्य कारणों से निधन:** डॉ. सिंह का निधन 26 दिसंबर 2024 को एम्स, दिल्ली में आयु संबंधी जटिलताओं के कारण हुआ। वे 92 वर्ष के थे।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का मेमोरियल बनाएगी केंद्र सरकार

Result Mitra

चर्चा में :

- **वित्त मंत्री के रूप में योगदान:** 1991-1996 तक वित्त मंत्री के रूप में डॉ. सिंह ने ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों की शुरुआत की, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था का कायाकल्प हुआ।
- **प्रधानमंत्री के रूप में नेतृत्व:** 2004-2014 तक प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. सिंह ने भारत का नेतृत्व किया, विशेषकर वैश्विक आर्थिक संकट के दौरान।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का मेमोरियल बनाएगी केंद्र सरकार

Result Mitra

चर्चा में :

- **वैश्विक सम्मान:** डॉ. सिंह की आर्थिक बुद्धिमत्ता और राजनयिक कौशल की विश्व नेताओं, जैसे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने सराहना की।
- **श्रद्धांजलि:** राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय नेताओं ने डॉ. सिंह को श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को रेखांकित किया, विशेषकर दक्षिण एशिया में शांति और आर्थिक स्थिरता में उनके योगदान को।

प्रश्न : पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के योगदान के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा पहलू उनके कार्यकाल के दौरान विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है?

- **A** राष्ट्रीय सुरक्षा नीति
- **B** आर्थिक उदारीकरण और सुधार
- **C** धार्मिक सामंजस्य
- **D** प्रौद्योगिकी विकास

Result Mitra

Mini Interview

परिवार नियोजन में लैंगिक असमानता

परिवार नियोजन में लैंगिक असमानता

Result Mitra

चर्चा में :

- परिवार नियोजन का उद्देश्य न केवल जनसंख्या नियंत्रण करना है, बल्कि यह स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर को सुधारने के लिए भी महत्वपूर्ण है।
- लेकिन, भारत जैसे विकासशील देशों में परिवार नियोजन के संदर्भ में लैंगिक असमानता एक गंभीर समस्या है, जो महिलाओं के स्वास्थ्य, अधिकारों और निर्णय लेने की स्वतंत्रता पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

परिवार नियोजन में लैंगिक असमानता

Result Mitra

मुख्य बिंदु:

- **महिलाओं पर अधिक दबाव:** परिवार नियोजन की ज़िम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं पर डाली जाती है, जैसे गर्भनिरोधक गोलियाँ और नसबंदी।
- **नसबंदी का असमान वितरण:** महिलाओं के लिए नसबंदी अधिक प्रचलित है, जबकि पुरुषों की नसबंदी बहुत कम होती है।

परिवार नियोजन में लैंगिक असमानता

मुख्य बिंदुः

- **स्वास्थ्य पर असर:** महिलाओं को गर्भनिरोधक उपायों के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी का अभाव और निर्णय लेने की स्वतंत्रता की कमी होती है।
- **निर्णय लेने का अधिकार:** पारंपरिक रूप से, परिवार नियोजन के निर्णय पुरुषों द्वारा लिए जाते हैं, महिलाओं की सहमति या इच्छा को अनदेखा किया जाता है।

परिवार नियोजन में लैंगिक असमानता

Result Mitra

मुख्य बिंदु:

- **सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाएँ:** कई बार महिलाओं के लिए परिवार नियोजन के उपाय सामाजिक रूप से स्वीकार्य नहीं होते हैं, और वे निर्णय लेने में असमर्थ होती हैं।
- **आर्थिक असमानता:** महिलाओं की आर्थिक निर्भरता के कारण परिवार नियोजन के फैसलों में उनकी भागीदारी सीमित होती है।

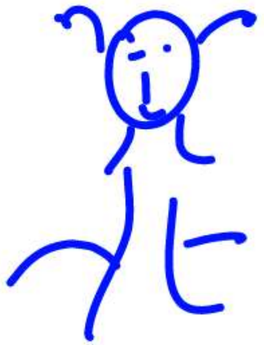

परिवार नियोजन में लैंगिक असमानता

Result Mitra

समाधान:

1. शिक्षा और जागरूकता:

- परिवार नियोजन के बारे में दोनों लिंगों को समान रूप से जानकारी प्रदान करना आवश्यक है। इससे न केवल महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी मिलेगी, बल्कि पुरुषों को भी इस मुद्दे की गंभीरता और जिम्मेदारी का अहसास होगा।

परिवार नियोजन में लैंगिक असमानता

Result Mitra

समाधान:

2. लिंग-समझदारी वाले कार्यक्रम:

- परिवार नियोजन की योजनाओं को लैंगिक समानता की दृष्टि से तैयार करना और कार्यान्वित करना चाहिए, ताकि पुरुष और महिला दोनों को समान अवसर मिल सकें।

परिवार नियोजन में लैंगिक असमानता

Result Mitra

समाधान:

3. पुरुषों की भागीदारी:

- परिवार नियोजन के उपायों में पुरुषों को भी सक्रिय रूप से शामिल किया जाए, ताकि यह केवल महिलाओं की जिम्मेदारी न बन जाए। नसबंदी, गर्भनिरोधक गोलियाँ आदि जैसे उपायों में पुरुषों की भागीदारी बढ़ानी होगी।

परिवार नियोजन में लैंगिक असमानता

Result Mitra

समाधान:

4. स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार:

- महिला और पुरुष दोनों के लिए समान स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि वे सुरक्षित, प्रभावी और अपने स्वास्थ्य के अनुकूल परिवार नियोजन के उपायों का चयन कर सकें।

परिवार नियोजन में लैंगिक असमानता

Result Mitra

समाधान:

- सारांश में, परिवार नियोजन में लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए जरूरी है कि समाज, सरकार और स्वास्थ्य संस्थाएँ मिलकर काम करें। केवल तभी हम एक स्वस्थ, समृद्ध और समान समाज की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

Result Mitra

प्रश्न : भारत में परिवार नियोजन में लैंगिक असमानता के प्रमुख कारणों में से कौन सा निम्नलिखित है?

A पुरुषों के लिए गर्भनिरोधक उपायों का सीमित विकल्प

B महिलाओं पर प्रजनन स्वास्थ्य से संबंधित निर्णयों की पूरी जिम्मेदारी डालना

C पुरुषों को परिवार नियोजन के लिए अपर्याप्त जानकारी

D सभी उत्तर सही हैं

QUIZ

Result Mitra

‘विकसित पंचायत कर्मयोगी’ पहल

'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल

Result Mitra

चर्चा में :

- 'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल भारत सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों के सशक्तिकरण और स्थानीय प्रशासन में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरु की गई एक महत्वपूर्ण पहल है।
- यह पहल ग्रामीण विकास और प्रशासनिक दक्षता को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायतों के कर्मचारियों की क्षमता निर्माण और कौशल विकास पर केंद्रित है।

'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल

Result Mitra

मुख्य उद्देश्य:

1. ग्राम पंचायत कर्मचारियों का कौशल विकास:

- इस पहल का प्रमुख उद्देश्य ग्राम पंचायतों के कर्मचारियों और अधिकारियों को सक्षम बनाना है, ताकि वे अपने कार्यों को अधिक प्रभावी तरीके से निष्पादित कर सकें।

'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल

Result Mitra

मुख्य उद्देश्य:

2. स्थानीय शासन की दक्षता बढ़ाना:

- पंचायतों के कामकाजी माहौल को सुधारने और उनकी कार्यप्रणाली को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए यह पहल विशेष रूप से जरूरी है।

'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल

मुख्य उद्देश्य:

3. प्रशासनिक क्षमता को मजबूत करना:

- पंचायत कर्मियों की प्रशासनिक क्षमता में सुधार करके, यह सुनिश्चित किया जाता है कि ग्राम पंचायतें विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को सही तरीके से लागू कर सकें।

'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल

Result Mitra

मुख्य उद्देश्य:

4. डिजिटल साक्षरता और तकनीकी प्रशिक्षण:

- पंचायत कर्मचारियों को डिजिटल साक्षरता, ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म्स, और विभिन्न सरकारी योजनाओं के डिजिटल प्रबंधन में प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि वे समय पर और प्रभावी तरीके से योजनाओं को लागू कर सकें।

'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल

Result Mitra

प्रमुख तत्व:

- **1. कर्मचारी प्रशिक्षण:** 'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल के अंतर्गत, पंचायत कर्मचारियों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाता है, जैसे कि योजना निर्माण, निगरानी, और रिपोर्टिंग।
- **2. संसाधनों का समुचित उपयोग:** यह पहल पंचायत कर्मियों को संसाधनों के प्रबंधन में दक्ष बनाती है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं का सही तरीके से क्रियान्वयन हो सके।

'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल

Result Mitra

प्रमुख तत्व:

- 3. इंटिग्रेटेड सूचना प्रणाली: इसके माध्यम से एकीकृत सूचना प्रणाली स्थापित की जाती है, जिससे पंचायत कर्मचारियों को सभी जरूरी डेटा, दस्तावेज़ और योजनाओं तक आसान पहुंच मिलती है।
- 4. स्थानीय समस्याओं का समाधान: पंचायत कर्मयोगी पहल में स्थानीय समस्याओं और जरूरतों का निदान किया जाता है, जिससे ग्राम पंचायतें और उनके कर्मचारी उन समस्याओं को अधिक प्रभावी रूप से सुलझा सकते हैं।

'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल

Result Mitra

प्रमुख तत्व:

- **5. सामुदायिक सहभागिता:** इस पहल में ग्रामवासियों को पंचायत कार्यों में भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ सही तरीके से जनता तक पहुँच सके।

'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल

Result Mitra

लाभ:

- **समय पर और प्रभावी योजना कार्यान्वयन:** पंचायत कर्मयोगियों के कौशल में सुधार होने से सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का सही और समय पर कार्यान्वयन सुनिश्चित होता है।
- **स्थानीय स्तर पर सशक्तिकरण:** ग्राम पंचायतें और उनके कर्मचारी सशक्त होते हैं, जिससे स्थानीय प्रशासन में सुधार होता है और नागरिकों के अधिकारों का संरक्षण बेहतर तरीके से होता है।

'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल

Result Mitra

लाभ:

- डिजिटल भारत की दिशा में कदम: पंचायत कर्मचारियों को डिजिटल साक्षरता में सक्षम करके, यह पहल भारत सरकार के 'डिजिटल इंडिया' मिशन को भी बढ़ावा देती है।

'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल

Result Mitra

निष्कर्ष:

- 'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल ग्राम पंचायतों को मजबूत और अधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से एक आवश्यक कदम है।
- यह पहल न केवल पंचायत कर्मचारियों की क्षमता को बढ़ाती है, बल्कि यह पूरे ग्रामीण विकास की प्रक्रिया को प्रभावी और पारदर्शी बनाती है, जिससे पंचायतों के कार्यों में सुधार होता है और ग्रामीण जनता को सरकारी योजनाओं का अधिक लाभ मिलता है।

Result Mitra

प्रश्न : 'विकसित पंचायत कर्मयोगी' पहल किस उद्देश्य से शुरू की गई है?

A पंचायतों के कर्मचारियों की कार्यकुशलता में सुधार लाना

B ग्राम पंचायतों को वित्तीय सहायता प्रदान करना

C पंचायतों में डिजिटल तकनीकी को बढ़ावा देना

D पंचायतों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुधार लाना

QUIZ

Result Mitra

सुजुकी के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन

सुजुकी के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन

Result Mitra

चर्चा में :

- ओसामु सुजुकी, जो जापानी ऑटोमोबाइल निर्माता सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के लंबे समय तक चेयरमैन रहे, उनका 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- उनका निधन जापान में एक महत्वपूर्ण घटना मानी जा रही है, क्योंकि वे एक ऐसे नेता थे जिन्होंने सुजुकी को वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सुजुकी के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन

Result Mitra

ओसामु सुजुकी का योगदान:

1. सुजुकी की वैश्विक पहचान:

- ओसामु सुजुकी के नेतृत्व में, सुजुकी ने छोटे और किफायती वाहनों के क्षेत्र में अपना नाम कमाया और वैश्विक बाजार में मजबूत पकड़ बनाई। उन्होंने कंपनी के व्यवसाय को विस्तार दिया और इसे विशेष रूप से भारत, जापान और अन्य एशियाई बाजारों में एक प्रमुख ब्रांड बना दिया।

सुजुकी के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन

Result Mitra

ओसामु सुजुकी का योगदान:

2. भारत में सुजुकी की सफलता:

- ओसामु सुजुकी का भारत में विशेष योगदान था, जहां मारुति सुजुकी के रूप में कंपनी का बड़ा विस्तार हुआ। मारुति सुजुकी ने भारत में कारों की सुलभता, किफायती मूल्य और विश्वसनीयता को बढ़ावा दिया, जो देश में कार उद्योग के विकास का प्रमुख कारण बन गया।

सुजुकी के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन

Result Mitra

ओसामु सुजुकी का योगदान:

3. नई तकनीकों का समावेश:

- ओसामु सुजुकी ने सुजुकी को नई तकनीकों और पर्यावरणीय मानकों के अनुसार कारों के निर्माण में नवाचार करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कंपनी के उत्पादों को उपभोक्ता के लिए उपयुक्त, टिकाऊ और किफायती बनाने पर जोर दिया।

सुजुकी के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन

Result Mitra

ओसामु सुजुकी का योगदान:

4. वैश्विक विस्तार:

- सुजुकी के तहत ओसामु सुजुकी ने कंपनी को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने और अपनी उपस्थिति मजबूत करने में मदद की, जिससे सुजुकी दुनिया भर में एक प्रमुख वाहन निर्माता बन गई।

सुजुकी के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन

Result Mitra

ओसामु सुजुकी के व्यक्तिगत जीवन और नेतृत्व:

- ओसामु सुजुकी का जन्म 1929 में जापान के शिमोनोसेकी में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सुजुकी मोटर कंपनी में 1958 में की थी और 1978 में कंपनी के अध्यक्ष बने।

सुजुकी के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन

Result Mitra

ओसामु सुजुकी के व्यक्तिगत जीवन और नेतृत्व:

- सुजुकी के विकास में उनकी भूमिका: उन्होंने सुजुकी के विकास को न केवल जापान में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक नया आकार दिया। उनका दृष्टिकोण और दूरदृष्टि कंपनी को एक वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित करने में सहायक साबित हुआ।

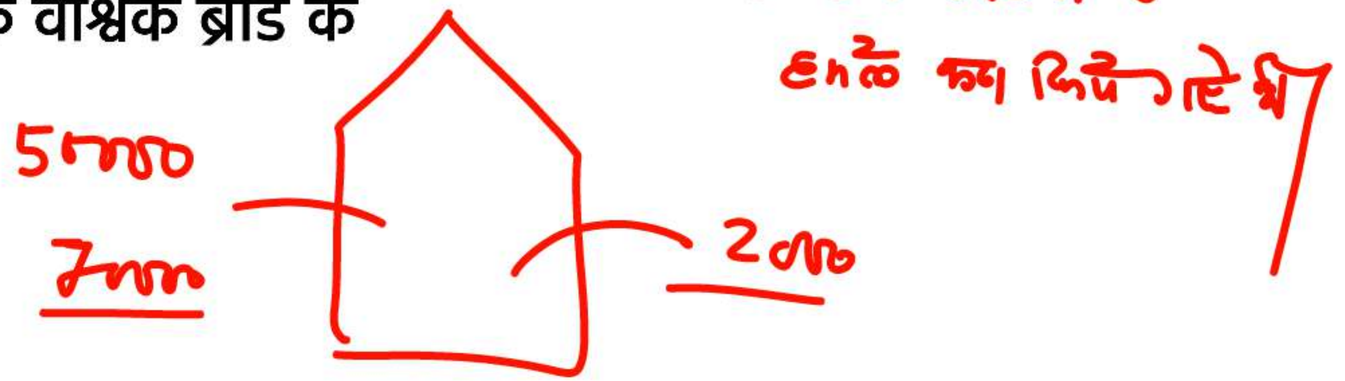

सुजुकी के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन

ओसामु सुजुकी के व्यक्तिगत जीवन और नेतृत्व:

उनके निधन का प्रभाव:

- ओसामु सुजुकी के निधन से सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन और ऑटोमोबाइल उद्योग में एक युग का समापन हो गया है। उनकी शैली, नेतृत्व और दूरदृष्टि ने न केवल सुजुकी को एक प्रमुख वैश्विक ब्रांड बनाया, बल्कि ऑटोमोबाइल क्षेत्र में उन्होंने एक नई दिशा भी दी।

सुजुकी के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन

Result Mitra

निष्कर्ष:

- ओसामु सुजुकी का निधन ऑटोमोबाइल उद्योग और विशेष रूप से सुजुकी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा, विशेष रूप से भारत में, जहां सुजुकी ने ऑटोमोबाइल उद्योग को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Result Mitra

प्रश्न : ओसामु सुजुकी के कार्यकाल में सुजुकी कंपनी को किस प्रमुख पहचान मिली?

A शहरी वाहनों के निर्माण में अग्रणी

B किफायती और छोटे वाहनों के लिए जाना जाता है

C हाई-एंड स्पोर्ट्स कार बनाने में प्रमुख

D एसी और रेफ्रिजरेटर के निर्माण में प्रसिद्ध

QUIZ

Thank You

Result Mitra